### तात्पर्य

समाज के अलग-अलग वर्ण-आश्रमों के लिए शास्त्रों में यथायोग्य स्वधर्म का विधान है। आसक्ति और अभिमान से रहित, राग-द्वेष और इन्द्रियतृप्ति के बिना भगवान् की प्रीति के लिए इस प्रकार के स्वधर्म का कृष्णभावनाभावित आचरण सात्त्विक कर्म कहलाता है।

**यत्तु कामेप्सुना कर्म साहंकारेण वा पुनः।**
**क्रियते बहुलायासं तद्राजसमुदाहृतम्।।२४।।**

**यत्**=जो; **तु**=परन्तु; **कामेप्सुना**=फल की इच्छा करने वाले द्वारा; **कर्म**=कर्म; **साहंकारेण**=अहंकारसहित; **वा**=अथवा; **पुनः**=फिर; **क्रियते**=किया जाता है; **बहुल-आयासम्**=अतिश्रम सहित; **तत्**=वह; **राजसम्**=राजस; **उदाहृतम्**=कहा गया है।

### अनुवाद

परन्तु जो कर्म मिथ्या अहंकारी द्वारा अपनी इच्छा-पूर्ति के लिए अति क्लेशसहित किया जाता है, वह राजस कहा गया है।।२४।।

**अनुबन्धं क्षयं हिंसामनपेक्ष्य च पौरुषम्।**
**मोहादारभ्यते कर्म यत्तत्तामसमुच्यते।।२५।।**

**अनुबन्धम्**=भावी बन्धन; **क्षयम्**=धर्म आदि का विनाश; **हिंसाम्**=प्राणी-पीड़ा को; **अनपेक्ष्य**=विचारे बिना; **च**=और; **पौरुषम्**=सामर्थ्य को (भी); **मोहात्**=मोह से; **आरभ्यते**=आरम्भ किया जाता है; **कर्म**=कर्म; **यत्**=जो; **तत्**=वह; **तामसम्**=तामस; **उच्यते**=कहा जाता है।

### अनुवाद

जो कर्म भावी बन्धन, परिणाम, हिंसा, धर्म की हानि और सामर्थ्य को भी विचारे बिना मोह और अज्ञान से किया जाता है, वह तामस कहा गया है।।२५।।

### तात्पर्य

मनुष्य को राज्य को और श्रीभगवान् द्वारा नियुक्त यमदूतों को अपने कर्मों का ब्यौरा देना पड़ता है। स्वच्छन्द कर्म उत्पातकारी ही सिद्ध होता है, क्योंकि वह शास्त्रविहित धर्म का नाश कर देता है। प्रायः ऐसे कर्मों में हिंसा और परपीड़न बनता है। मनुष्य ऐसा स्वच्छन्द कर्म अपने निजी अनुभव के आधार पर किया करता है। इसी का नाम अज्ञान है। सम्पूर्ण अज्ञानमय कर्म तमोगुण के कार्य हैं।

**मुक्तसंगोऽनहंवादी धृत्युत्साहसमन्वितः।**
**सिद्ध्यसिद्ध्योर्निर्विकारः कर्ता सात्त्विक उच्यते।।२६।।**

**मुक्तसंगः**=सब प्रकार की सांसारिक आसक्ति से मुक्त; **अनहंवादी**=मिथ्या अहंकार से रहित; **धृतिउत्साहसमन्वितः**=धैर्य और उत्साह से युक्त; **सिद्ध्योः**=कार्य की सिद्धि (और); **असिद्ध्योः**=असिद्धि में; **निर्विकारः**=सुख-दुःख आदि विकारों से रहित; **कर्ता**=कर्म करने वाला; **सात्त्विकः**=सात्त्विक; **उच्यते**=कहा जाता है।